

॥ श्री रंग चालीसा ॥

ॐ

॥ श्री रंग जय रंग जय जय रंग ॥

दोहरा

श्री गुरु चरण तीरथ अति, सकल पिश्वनी मांघ
पापीने पावन करे, धन धन श्री गुरु राय...१
पामर हुं अज्ञानी छुं, रंग झालजे मारो हाथ
कृपा करी स्वीकारजे, मारा नारेश्वरना नाथ...

जय जय जय जय रंग अवधूता
झकमानंदन परम पुनिता...१
अधम ओधारणा पर दुःख भंजन
ॐ गुरु गुरु ॐ अलभ निरंजन...२
पिंडल रङ्गमाने निभित करीने
श्वासा साथे द्त जपीने...३
रंग रुपे श्री द्त पद्मार्था
देव-देवी सो उर हरभाया...४
जन्म आगमने आग बुझावी
जय जय पांकु रंग कहावी...५
राम नामनी धून जगाडी
मोह-माया भद लोभ भगाडी...६
पावन कीदुं गोधरा गाम
शुक्ल कूपानो खांचो आम...७
बाज लीला अद्भूत बहु कीधी
सत्य स्वरूपनी ओगम दीधी...८
स्वामी माराजनां अंके बीराजु
स्व.ने सोंपी बन्या बहु राजु...९
स्वपना देशथी सुकृत इगिया
नाम निरंतर पले पले धरिया...१०
देश दाझनी होली सजगी
पटवी दानने करी नांझी अणगी...११
सत्याग्रहमां छलंग लगावी
गांधी बापुना उर हरभावी...१२
सत्य असत्यना अनुभवो लीधां
बंधु नारणने ज्ञान बोध दीधां...१३

तपसी महात्मा छोटुभाई
जग छोडी सांधी आत्म सगाई...१४
संत सिद्धोना वेण अनुसरी
मा रेवाने तीरे बहु इरी...१५
रणापुर गामे महात्माने भगिया
श्री दासकाकाने हृदये वसिया....१६
इव्य तेज रंग रुप पिछानी
दास परिवारे गुरु लीधां मानी...१७
ऐकांत वास नित साधना भाटे
नजर करी नारेश्वर वाटे...१८
प्रेत निशाचर पिष्ठर प्राणी
भाजी आवे ना कोई भन मानी...१९
स्थान गम्युं आ पांकुरंगने
भूधरा नाची जोई आनंदने...२०
कृपदीश्वर महादेव अहीं भोला
रंग बीराजे कही बंबं लोला..२१
गोरीनंदननुं नर्तन निहाजी
श्री रंगे तन तपथी शाणगारी...२२
निर्भय कीधो वन वगडाने
रंग हरभाया जोई लीमडाने...२३
सुरता साधी आसनवाजी
आवे द्त दोडी निरनारी...२४
धूप सुगंध अलोकिक मनहर
ऐ मस्त लूंटता ब्रह्मा हरि हर...२५
पपी हरा ॐ कार टहूकारे
भयुर नाचता रंग रणकारे...२६

दोहरा

जय जय जय अवधूतजु जय सद्गुरु महाराज
चरणे तमारां राखजे, ए ज धिनंती आज
वचन सिद्धि आ चालीसा, लभावनारो रंग
श्रङ्खा भावे सेवतां, नीरजे द्त रे रंग...

अवधूत चिंतन श्री गुरुदेव द्त
॥ ॐ साई राम ॥ ॥ श्री गुरुदेव द्त ॥
- श्री जगदीशानंदजु (रंगबाज)

चोट भुवन सुख ओछुं पडतुं
भव भवनुं दुःख पलभां हरतुं...२७
कल्पवृक्षनो अहीं ना तोटो
जगभां जडे ना ऐनो जेटो...२८
रंग मोने जग नाट्य निहाले
अमृत रंग भर भर पीवडावे...२९
सकल पिश्वना तारणहारा
भक्तजनोना प्राणधारा...३०
शरणागत दीन पतितोळारक
स्मर्तृगामी वत्सल कलितारक...३१
रक्ता थाये हसतां अहीं झट
परस्परे वटतां गुरु देवदत...३२
रंग रंग हर श्वासे स्मरतां
सकल देव सो उरभां वसतां...३३
ॐकार स्वरूपी परम अनंता
कृपा निधान तुं छे भगवंता...३४
जु चेतनभां रंग समायो
द्त दिगंबर भन लुभायो...३५
अलभ निरंजन नाची गायो
राग द्वेष सो भेद भिटायो...३६
जे कोई भावे गाये आ चालीसा
उर हरभाये जय जगदीशा...३७
भव सागरथी पार उतरावे
जन्म भरणे ऐनो सुधरावे...३८
श्री रंग जय रंग जय जय रंग
ज्यां देखो त्यां रंग ही रंग..३९
आनंदी ए परमानंद रंग
रंग धिणा दूजो नाही को रंग...४०

